laHkkxh; tulaidZ dk;kZy; Xokfy;j
e/;çns'k 'kklu
lekpkj

ftys ds vkaxuckM+h ds iks"k.k vkgkj esa v.Mk Hkh 'kkfey gksxk ikydksa dh lgefr ds vk/kkj ij cPpksa dks fn, tk;saxs v.Ms dysDVj us dh efgyk cky fodkl foHkkx dh ;kstukvksa dh leh{kk

ग्वालियर 16 अगस्त 2012/ जिले में संचालित आँगनबाड़ी केन्द्रों के बच्चों के पोषण आहार में अण्डा भी शामिल होगा। आरंभिक चरण में शहरी क्षेत्र के आँगनबाड़ी केन्द्रों के बच्चों को पालकों की सहमति के आधार पर तमिलनाडु प्रांत की तर्ज पर पोषण आहार के तहत अण्डे भी मुहैया कराए जायेंगे। इस सिलसिले में शहरी क्षेत्र के आँगनबाड़ी केन्द्रों में दर्ज बच्चों के पालकों से सहमति पत्र भी ले लिए गए हैं। कलेक्टर श्री पी नरहरि ने समूह (कलस्टर) बनाकर शहरी क्षेत्र में यह व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए हैं।

गुरूवार को यहाँ कलेक्ट्रेट के सभागार में अटल बिहारी वाजपेयी बाल आरोग्य पोषण मिशन एवं महिला बाल विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा के दौरान श्री नरहरि ने उक्त आशय के निर्देश दिये हैं। उन्होंने देशभर में मानक व गुणवत्तायुक्त अण्डा आपूर्ति करने वाली संस्था एनईसीसी से संपर्क करने के निर्देश भी विभागीय कार्यक्रम अधिकारी को दिए। कलेक्टर ने कहा कि जिन पालकों ने सहमति दी है केवल उन्हीं के बच्चों को ही पोषण आहार में अण्डे दिए जाएँ। श्री नरहरि ने जिले में संचालित दुग्ध संजीवनी कार्यक्रम की तर्ज पर अन्य वैकल्पिक पोषण आहार चिन्हित करने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर श्री नरहरि ने बैठक में एक बार फिर दोहराया कि पोषण एवं पुनर्वास केन्द्रों में महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अधिकारी व कर्मचारियों की वजह से पलंग खाली रहे हैं, उनका वेतन आनुपातिक रूप से काटा जाए। उन्होंने साफ किया इस व्यवस्था में किसी भी प्रकार की ढ़िलाई बर्दाश्त नहीं होगी। श्री नरहरि ने महिला एवं बाल विकास तथा स्वास्थ्य विभाग के अमले में आपसी समन्वय और मैदानी भ्रमण पर भी विशेष जोर दिया।

बैठक में अटल बिहारी वाजपेयी बाल आरोग्य पोषण मिशन की कार्ययोजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना, सांझा चूल्हा कार्यक्रम आदि की समीक्षा भी की गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आशीष कुमार गुप्ता, महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती कल्पना बोहरे, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनूप कम्ठान तथा जिला आपूर्ति नियंत्रक श्रीमती ज्योतिशाह नरवरिया एवं जिले के सभी बाल विकास परियोजना अधिकारी मौजूद थे।

अन्य खबरें

- नहर कमाण्ड क्षेत्र के ग्रामों में पशु चिकित्सा शिविर आज से
- खाद्य सुरक्षा अधिनियम के नवीन प्रावधान के अनुरूप ही लायसेंस मिलेगें
- सिविल न्यायाधीश वर्ग-2 के 44 पदों की भर्ती होगी
- अखबारों में प्रकाशित मानव अधिकार हनन की खबरें आयोग कोभेजें - जस्टिस ए.के.सक्सेना
- जनसंपर्क कार्यालय के समाचार अब डिस्ट्रिक्ट पोर्टल पर भी उपलब्ध
- बेटियों ने पूरी कराई वर्षों पुरानी हसरत
- किसान गेहूँ विक्रय हेतु 15 फरवरी तक करायें पंजीयन
- समाज सुधार और विकास प्रक्रिया में बच्चों के विचार भी महत्वपूर्ण
- किसान मित्र व किसान दीदियों ने सीखीं उन्नत खेती की बारीकियाँ
- संविदा शिक्षक वर्ग-2 पात्रता परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न
- साडा के विकास की रफ्तार को तेज करने के लिये निवेशक हुए सहमत
- गैर हाजिर अधिकारी-कर्मचारियों पर होगी कठोर कार्रवाई - कलेक्टर
- अंत्योदय मेला लाया जरुरतमंदों के जीवन में खुशियों का पैगाम - डॉ. मिश्र
- जिले में 4172 हेक्टेयर सिंचित रकबा बढ़ा
- धार्मिक परंपराओं के साथ ले रहे हैं स्वच्छता का संकल्प

जिले के आँगनबाड़ी के पोषण आहार में अण्डा भी शामिल होगा

पालकों की सहमति के आधार पर बच्चों को दिए जायेंगे अण्डे,कलेक्टर ने की महिला बाल विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षा

ग्वालियर | 16-अगस्त-2012

0

जिले में संचालित आँगनबाड़ी केन्द्रों के बच्चों के पोषण आहार में अण्डा भी शामिल होगा। आरंभिक चरण में शहरी क्षेत्र के आँगनबाड़ी केन्द्रों के बच्चों को पालकों की सहमति के आधार पर तमिलनाडु प्रांत की तर्ज पर पोषण आहार के तहत अण्डे भी मुहैया कराए जायेंगे। इस सिलसिले में शहरी क्षेत्र के आँगनबाड़ी केन्द्रों में दर्ज बच्चों के पालकों से सहमति पत्र भी ले लिए गए हैं। कलेक्टर श्री पी नरहरि ने समूह (कलस्टर) बनाकर शहरी क्षेत्र में यह व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए हैं।

गुरुवार को यहाँ कलेक्ट्रेट के सभागार में अटल बिहारी वाजपेयी बाल आरोग्य पोषण मिशन एवं महिला बाल विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा के दौरान श्री नरहरि ने उक्त आशय के निर्देश दिये हैं। उन्होंने देशभर में मानक व गुणवत्तायुक्त अण्डा आपूर्ति करने वाली संस्था एनईसीसी से संपर्क करने के निर्देश भी विभागीय कार्यक्रम अधिकारी को दिए। कलेक्टर ने कहा कि जिन पालकों ने सहमति दी है केवल उन्हीं के बच्चों को ही पोषण आहार में अण्डे दिए जाएँ। श्री नरहरि ने जिले में संचालित दुग्ध संजीवनी कार्यक्रम की तर्ज पर अन्य वैकल्पिक पोषण आहार चिन्हित करने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर श्री नरहरि ने बैठक में एक बार फिर दोहराया कि पोषण एवं पुनर्वास केन्द्रों में महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अधिकारी व कर्मचारियों की वजह से पलंग खाली रहे हैं, उनका वेतन आनुपातिक रुप से काटा जाए। उन्होंने साफ किया इस व्यवस्था में किसी भी प्रकार की ढ़िलाई बर्दाश्त नहीं होगी। श्री नरहरि ने महिला एवं बाल विकास तथा स्वास्थ्य विभाग के अमले में आपसी समन्वय और मैदानी भ्रमण पर भी विशेष जोर दिया।

बैठक में अटल बिहारी वाजपेयी बाल आरोग्य पोषण मिशन की कार्ययोजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना, सांझा चूल्हा कार्यक्रम आदि की समीक्षा भी की गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आशीष कुमार गुप्ता, महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती कल्पना बोहरे, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनूप कम्ठान तथा जिला आपूर्ति नियंत्रक श्रीमती ज्योतिशाह नरवरिया एवं जिले के सभी बाल विकास परियोजना अधिकारी मौजूद थे।

(26 days ago)

डाउनलोड करें कृतीदेव फोन्ट में.
डाउनलोड करें चाणक्य फोन्ट में.

पाठकों की पसंद

- नहर कमा
शिविर आज
- खाद्य सुरक्ष
अनुरूप ही ल
- सिविल न
- अखबारों
खबरें आयोग
- जनसंपर्क
पोर्टल पर भी
- बेटियों ने
- किसान गे
पंजीयन

संग्रह
अगस्त

सोम.	मंगल.
27	28
3	4
10	11
17	18
24	25
1	2

© 2012 सर्वाधिकार सुरक्षित जनसम्पर्क विभाग भोपाल, मध्यप्रदेश Best viewed in IE 6.0 and above with monitor resolution 1024x768.